एक नजर में

निसान ने ऑल-न्यू ग्रेवाइट लांच की

इंदौर . निसान मोटर ने 5 .65 लाख रुपये की आकर्षक शुरुआती कीमत में ऑल-न्यू निसान ग्रेवाइट को लॉन्च करने का एलान किया . बोल्ड और गेम चेंजिंग 7-सीटर एमपीवी ग्रेवाइट भारत में निसान के सफर के नए अध्याय की शुरुआत है . निसान एंड इनफिनिटी के डिवीजनल वाइस प्रेसिडेंट एवं मिडिल ईस्ट, केएसए, सीआईएस एवं भारत के प्रेसिडेंट थियरी सबाग ने कहा भारत निसान की वैश्विक महत्वाकांक्षाओं के केंद्र में है . ऑल-न्यू निसान ग्रेवाइट सिर्फ एक प्रोडक्ट की लॉन्चिंग नहीं है, बल्कि यह भारत में निसान के सतत विकास के नए चरण की शुरुआत है . निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा, 'ऑल-न्यू निसान ग्रेवाइट भारतीय परिवारों की विविधता, व्यापकता एवं महत्वाकांक्षाओं से प्रेरित है . हमारे लिए ग्रेवाइट सिर्फ एक प्रोडक्ट की पेशकश नहीं है . यह एक वादा है कि निसान ऐसे वाहन को डिजाइन करना, मैन्यूफैक्चर करना और उनमें निवेश करना जारी रखेगी, जो सच्चे अर्थों में भारत की मोबिलिटी की महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप हों .

सैमसंग के अगले एआई स्मार्टफोन का प्री-रिजर्वेशन शुरू

इंदौर . सैमसंग ने अपने अगले एआई स्मार्टफोन के लिए भारत में प्री-रिज़र्वेशन की घोषणा कर दी है . इस नई गैलेक्सी स्सीरीज़ स्मार्टफोन को 25 फरवरी को सैन फ्रांसिस्को में आयोजित 'गैलेक्सी अनपैक्ड' कार्यक्रम में पेश किया जाएगा . ग्राहक 999 रुपये की रिफंडेबल टोकन राशि देकर नए गैलेक्सी एस सीरीज़ डिवाइस को प्री-रिज़र्व कर सकते हैं . प्री-रिज़र्वेशन सैमसंग .कॉम, सैमसंग एक्सक्लूसिव स्टोर्स, अमेजन, फ्लिपकार्ट और देशभर के प्रमुख रिटेल आउटलेट्स पर उपलब्ध है . प्री-रिज़र्व करने वाले ग्राहकों को नए गैलेक्सी एस सीरीज़ डिवाइस की खरीद पर 2,699 रुपये तक के विशेष लाभ मिलेंगे . कंपनी के अनुसार, नई गैलेक्सी एस सीरीज़ को इस तरह तैयार किया गया है कि रोज़मर्रा के काम आसान हों, यूज़र का आत्मविश्वास बढ़े और गैलेक्सी एआई फीचर्स शुरू से ही सहज और स्वाभाविक अनुभव दे .

अबंडशिया एंटरटेनमेंट और इनवीडियो ने की पार्टनरशिप

इंदौर . अबंडशिया एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने अपने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-पावर्ड स्टोरीटेलिंग डिवीजन एआई ऑन के तहत, आज एआई-ड्रिवन फिल्म प्रोडक्शन स्टूडियो लॉन्च करने के लिए ग्लोबल एआई वीडियो टेक्नोलॉजी लीडर, इनवीडियो के साथ एक स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप अनाउंसमेंट की . इस पार्टनरशिप को 100 करोड़ रुपए के इन्वेस्टमेंट से सपोर्ट मिला है, जिससे यह भारत में एआई-ड्रिवन फिल्ममेकिंग के लिए अब तक का सबसे बड़ा स्ट्रक्चर्ड कमिटमेंट बन गया है . विक्रम मल्होत्रा, फ़ाउंडर और सीईओ, अबंडशिया एंटरटेनमेंट ने कहा फ़िल्म बनाने में आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस अब हक़ीक़त बन चुका है . अबंडटिया एआईऑन के साथ हम एक ऐसा भविष्य बना रहे हैं जहाँ एआई फ़िल्ममेकर की आवाज़ को मज़बूत और असरदार बनाएगा, उसे बदलेगा नहीं . हमारी इनवीडियो के साथ साझेदारी हमें एक ऐसा क्रिएटिव स्टूडियो बनाने का मौका देती है जो इंसानी कल्पना, लेखन और बुद्धिमत्ता को मिलाकर ऐसी कहानियाँ रचेगा जो दिल को छूने वाली हों और तकनीक के लिहाज़ से नई राह दिखाने वाली हों .

सुरलय म्यूजिकल ग्रुप द्वारा गीत संगीत कार्यक्रम

इंदौर . सुरलय म्यूजिक ग्रुप द्वारा जाल सभागृह में शानदार गीत संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया . ग्रुप के संयोजक दीपक जैन एवं सचिन जैन ने बताया कि यह कार्यक्रम इंदौर के बेहतरीन गायक और गायिकाओं के साथ मिलकर आयोजित किया गया, जिसमें प्रमुख स्वर विनेश खरे, मयंक थनवार, दिव्यांश परमार, शक्ति भट्ट,मनोज सनोठिया, विसा मेहता, के द्वारा प्रदान किए गए . कार्यक्रम में विनेश खरे ने, हुस्न की वादियों में,प्यार करने वाले डरते नहीं,जिंदा रहने के लिए तेरी कसम, गीत गाकर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया . वहीं मयंक थनवार ने तुमने मुझे देखा,होकर मेहरबान, रोमांटिक गीत गाकर दर्शकों का दिल जीत लिया .

ओपन सोर्स एआई बाजार को बढ़ावा देने की प्रमुख कुंजी

इंदौर . लिनक्स फाउंडेशन, जो ओपन सोर्स के माध्यम से बड़े पैमाने पर इनोवेशन को सक्षम बनाने वाली गैर-लाभकारी संस्था है, ने मेटा के साथ साझेदारी में आज एक नई रिपोर्ट जारी की है . यह रिपोर्ट भारत में एआई को अपनाने और देश के लिए तकनीक द्वारा प्रस्तुत आर्थिक व सामाजिक अवसरों की जांच करती है . इस रिपोर्टमें दिखाया गया है कि 76% भारतीय स्टार्टअप्स ओपन सोर्स एआई का उपयोग कर रहे हैं, जिससे कम लागत में इनोवेशन और अनुकूलन संभव हो रहा है . लिनक्स फाउंडेशन की रिसर्च और कम्युनिकेशंस की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट हिलेरी कार्टर ने कहा भारत ओपन सोर्स का उपयोग करके एआई क्रांति में अपनी खुद की राह तय कर रहा है . यह रिपोर्ट न केवल भारत के एआई अवसरों के पैमाने को दिखाती है, बल्कि यह भी बताती है कि देश लंबे समय तक सफलता के लिए अच्छी स्थिति में क्यों है- इसका श्रेय इसके टैलेंट बेस, स्टार्टअप इकोसिस्टम और ओपन इनोवेशन के प्रति प्रतिबद्धता को जाता है .

क्वालकोम भारत में 150 मिलियन डॉलर का निवेश करेगा

इंदौर . क्वालकोम इन्कॉर्पोरेटेड ने आज घोषणा की कि उसके द्वारा भारत के तेजी से विकसित हो रहे टेक्नोलॉजी और ए .आई स्टार्टअप परिवेश में सहयोग देने के लिए 150 मिलियन डॉलर तक का निवेश किया जाएगा . यह निवेश क्वालकोम वेंचर्स के माध्यम हर स्तर के स्टार्टअप में किया जाएगा . निवेश खासकर ऑटोमोटिव, आईओटी, रोबोटिक्स और मोबाईल में ए .आई पर केंद्रित होगा . क्वालकोम इन्कॉर्पोरेटेड के प्रेसिडेंट एवं सी .ई .ओ, क्रिस्टियानो एमोन ने कहा इस नए रणनीतिक ए .आई वेंचर फंड के माध्यम से क्वालकोम भारत में ए .आई को अगले चरण में ले जा रही कंपनियों में निवेश करेगा . एआई का एक नए चरण में प्रवेश हो रहा है, जिसमें लोगों को बेहतर और कारगर अनुभव प्रदान करने के लिए सीधे उन डिवाइस और सिस्टम्स में इंटैलिजेंस डाली जा रही है, जिन पर लोग अपने रोजमर्रा के जीवन में आश्रित रहते हैं . इनमें पर्सनल कंप्यूटर, कार, औद्योगिक मशीनें, रोबोट आदि शामिल हैं .

क्यूरेटेड सेलेक्शन ने वेलेंटाइन डे शॉपिंग को यादगार बनाया

इंदौर . अमेजन इंडिया ने बताया है कि इस वेलेंटाइन डे से पहले ग्राहकों ने क्यूरेटेड सेलेक्शन, एआई-पावर्ड डिस्कवरी टूल्स और अल्ट्रा-फास्ट डिलिवरी का उपयोग करके प्रीमियम और पर्सनलाइज्ड गिफ्ट्स खरीदे . ग्राहकों ने चॉकलेट्स, ताजे फूल, फ्रैगेंस, ज्वेलरी, ब्यूटी, फैशन, इलेक्ट्रॉनिक्स और गिफ्ट कार्ड्स जैसी विभिन्न श्रेणियों में खरीदारी की, जो कि व्यापक सिलेक्शन और तेज़ डिलिवरी विकल्पों से संभव हुआ . अमेजन इंडिया के उपाध्यक्ष, सौरभ श्रीवास्तव ने कहा इस वेलेंटाइन डे पर, हमने चॉकलेट्स, ताजे फूल, फ्रैगेंस, ज्वेलरी, ब्यूटी, फैशन, इलेक्ट्रॉनिक्स और गिफ्ट कार्ड्स जैसी श्रेणियों में प्रीमियम और क्यूरेटेड गिफ्टिंग विकल्पों में शानदार वृद्धि देखी . इसके अलावा, ट्रेंड्स से पता चलता है कि जेन जेड और मिलेनियल्स ग्राहक विशेष अवसरों को मनाने को लेकर खासे उत्साहित हैं . चॉकलेट्स और ताजे फूल टॉप गिफ्टिंग चॉइस के रूप में उभरे, ताजे फूलों की मांग में 1 .4 गुना सालाना वृद्धि देखी गई .

कैडिला ने इंद्रवदन मोदी की 100वीं जयंती मनाई

इंदौर . कैडिला फार्मास्यूटिकल्स कंपनी ने अपने फाउंडर चेयरमैन इंद्रवदन मोदी की 100वीं जयंती मनाई . श्री मोदी एक दूरदर्शी व्यक्ति थे और उन्हें भारतीय फार्मेसी का जनक माना जाता है . ऐसे समय में, जब भारत का फार्मास्यूटिकल इकोसिस्टम शुरुआती दौर में था और काफी हद तक आयात पर निर्भर था, तब श्री इंद्रवदन मोदी ने देश में एक आत्मनिर्भर हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर की तत्काल आवश्यकता को पहले ही समझ लिया था . मजबूत विश्वास और राष्ट्रीय उद्देश्य की गहरी भावना के साथ, उन्होंने कैडिला फार्मास्यूटिकल्स की नींव रखी . यह मज़बूत आधार, इस विश्वास से प्रेरित था कि, बहतरीन क्वालिटी की दवाएं हर भारतीय को सस्ती और आसानी से मिलनी चाहिए . इस अवसर पर डॉ . राजीव मोदी ने कहा कि मेरे पिताजी का दृढ़ विश्वास था कि, दवाइयां सिर्फ एक उत्पाद नहीं हैं, बल्कि एक सामाजिक जिम्मेदारी भी हैं . उन्होंने जब कैडिला शुरू की थी, उस समय भारत में एक मज़बूत फार्मास्यूटिकल आधार की कमी थी . इसके बावजूद, भारतीय विज्ञान में उनका प्रबल विश्वास और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता कभी कम नहीं हुई . उनका जन्म शताब्दी महोत्सव मनाने के समय, हम उनके विज़न, नैतिक और आसानी से उपलब्ध हो ऐसी स्वास्थ्य देखभाल के ज़रिए मानवता की सेवा करने की अपनी वचनबद्धता व्यक्त करते हैं .

इकानॉमिक कॉरिडोर, मेट्रो, हाईवे और मेट्रोपोलिटियन प्लॉन पर सरकार की निगाह

नव भारत न्यूज

इंदौर. प्रदेश सरकार के बजट में इस वर्ष इंदौर- उज्जैन की महत्वपूर्ण योजनाओं के लिए बड़ी राशि का प्रावधान किया गया है. सिंहस्थ को देखते हुए इंदौर उज्जैन ग्रीन फील्ड हाईवे, मेट्रोपोलिटियन विकास योजना, इकनॉमिक कॉरिडोर और एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण के लिए करीब 75 हजार पांच सौ करोड़ रुपए दिए है. इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास और अन्य योजनाओ के साथ नगरीय विकास की राशि अलग है.

डॉ. मोहन यादव सरकार ने अपना सालाना बजट वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा के द्वारा पेश कर दिया है. इस बार बजट में इंदौर- उज्जैन शहर को विकास और निवेश से जुड़ी बड़ी योजनाओं में बड़ी राशि का प्रावधान किया है. इसको इस दृष्टि से भी देख सकते है कि आने वाले समय में सिंहस्थ को ध्यान में रखकर इंदौर उज्जैन के लिए 13 हजार 851 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है. इनमें मुख्य रूप से इंदौर उज्जैन फोर लेन को छह लेन सड़क के लिए 1164 करोड़, इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड हाईवे जो पितृ पर्वत से फतियाबाद होकर उज्जैन तक सड़क हेतु 1370 करोड़ रुपए राशि का प्रावधान किया है. साथ ही बजट में उज्जैन के नए बायपास हेतु 701 करोड़ रुपए का भी प्रावधान है. इसके अलावा बजट में इंदौर में औद्योगिक निवेश को आकर्षित करने हेतु 75 मीटर चौड़ी इंदौर पीथमपुर इकनॉमिक कॉरिडोर सड़क निर्माण कर 2360 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत कर दी है. इसके अलावा आईटी पार्क 05 और प्लग एंड प्ले पार्क के लिए राशि दी गई है. इंदौर एबी रोड पर एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण कार्य का उल्लेख है. यह बात अलग है कि उक्त एलिवेटेड कॉरिडोर की 350 करोड़ रुपए की राशि पूर्व से ही मंजूर है.

अंडर ग्राउण्ड मेट्रो के लिए 475 करोड़ स्वीकृत

इसके साथ ही इंदौर मेट्रो के खजराना से हाईकोर्ट अंडर ग्राउंड लाइन के लिए अतिरिक्त 900 करोड़ रुपए लागत बढ़ने को लेकर इस वर्ष 475 करोड़ रुपए स्वीकृत किए है . खास बात यह है कि इंदौर उज्जैन मेट्रोपोलिटियन प्लान की अधिसूचना जारी करने का उल्लेख किया गया है, जिसमें इंटीग्रेटेड टाउनशिप 2025 विकसित की जाएगी . उक्त इंटीग्रेटेड टाउनशिप मेट्रोपोलिटियन रीजन के छोटे शहरों में बनाने का प्रस्ताव किया है, जो निवेश क्षेत्र के पास होगी .

जनता चौपाल में महिला ने दिखाया निगम को आइना

- जब पैसे नहीं हैं तो क्यों खोद रहे हो सड़कें ...?

इंदौर. नगर निगम द्वारा वार्डो की समस्याओं को लेकर लगाई जा रही जनता चौपाल में एक महिला ने महापौर से तीखा सवाल कर आइना दिखा दिया. इतना ही नहीं महिला ने महापौर को बताया कि अच्छी सड़क, अच्छा बगीचा और पेवर ब्लॉक सही होड़ के बावजूद क्यों बदले जा रहे हैं. महिला ने महापौर को कहा कि आपकी पार्टी अच्छा काम नहीं कर रही है.

नगर निगम महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने आज विधानसभा 4 के वार्ड 84 में जनता चौपाल लगाई थी. जनता चौपाल में एक महिला महापौर को बताया कि गली के कॉर्नर पर गड्ढा था, जिसको आपके आने के पहले तुरंत ठीक किया गया, ऐसा क्यों है कि आपके एंड पर ही काम हुआ. इस पर महापौर ने महिला को स्वयं का प्रभाव बताया. महिला ने कहा कि प्रभाव के लिए आपका नाम ही काफी होना चाहिए, आपके आने जरूरत नहीं पड़ना चाहिए. महिला ने आईना दिखाते हुए महापौर से सवाल पूछा कि जब नगर निगम के पास पैसा नहीं है, तो बार बार सड़कें क्यों खोदी जा रही है ? पेवर ब्लॉक अच्छे है फिर बदले जा रहे है? बगीचा अच्छा है और उसको और अच्छा किया जा सकता है,लेकिन उसकी बाउंड्रीवाल तोड़ने की जरूरत नहीं थी, उसको क्यों तोड़ा गया? आपकी पार्टी अच्छा काम नहीं कर रही है.

नाम से हो जाता था काम : महिला ने कहा कि एक समय था कि स्वर्गीय लक्ष्मण सिंह गौड़ पैदल घूमते थे और उनके नाम से काम हो जाता था. आप पार्षदों को घर-घर जाकर समस्या पूछने का कहें, तो सर आपको आना ही नहीं पड़ेगा. इतना कहकर महिला बैठ गई.

शिक्षा विभाग के गबन में 5 बीईओ शामिल, जांच में खुलासा

- डीडीओ ने पावर का गलत इस्तेमाल कर 2 .87 करोड़ रुपए का किया घपला
- कलेक्टर ने दिए थे जांच के आदेश

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में शिक्षा विभाग के ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में 2.87 करोड़ की राशि के गबन मामले में 5 जिला शिक्षा अधिकारी दोषी पाए गए है. इतना ही नही सभी शिक्षा अधिकारियों ने डीडीओ पॉवर का गलत इस्तेमाल कर गबन किया. सभी पेमेंट सही खातों में जमा किया है, इसकी हर माह जानकारी देना रहती है, लेकिन सभी गलत रिपोर्ट देते रहे.

शहर के ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में 2 करोड़ 87 लाख रुपए राशि गबन मामले में कलेक्टर शिवम वर्मा द्वारा कराई गई जांच में कई खुलासे हुए हैं. कलेक्टर वर्मा को 23 दिसंबर को आयुक्त कोष एवं लेखा भोपाल द्वारा शिक्षा विभाग में संदिग्ध भुगतानों की जानकारी दी गई थी. इसके बाद कलेक्टर ने 26 दिसंबर को संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा को मामले की जांच के आदेश दिए. संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा ने उपसंचालक दिव्या शर्मा के साथ 10 सदस्यीय जांच दल गठित किया. जांच दल ने वर्ष 2018 से 2026 तक प्रभारी रहे सभी बीईओ कार्यालय के कर्मचारीयों ले एप्रूवल और क्रिएटर की जांच की गई. जांच में तत्कालीन 5 एप्रूवलकर्ता बीईओ जिन्हें प्राचार्य रहते हुए बीईओ का प्रभार दिया गया था, उनकी कार्य प्रणाली त्रुटि पूर्ण थी. इनमें खजराना के पूर्व प्राचार्य हीरालाल खुशाल, अनिता चौहान प्रभारी संयुक्त संचालक स्कूल शिक्षा, जिला शिक्षा अधिकारी शांता स्वामी भार्गव, ओपी वर्मा और खोटे सभी 5 प्रभारी बीईओ को दोषी ठहराया है. जांच रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि 13 देयकों से संदिग्ध राशि निकाली गई है. जांच में बिंदुवार देयकों से आईएफएमआई एस रिपोर्ट का मिलान किया गया, जिसमें सामने आया है कि देयक सूची में उल्लेखित नाम के साथ बैंक खाता नंबर में बिल जनरेट करते समय छेड़छाड़ की गई.

कलेक्टर को सौंपी जांच रिपोर्ट

जांच रिपोर्ट में मध्य प्रदेश शासन वित्त विभाग के अनुसार बिंदु क्रमांक 24 के नियमानुसार एफ 1-1 /2015 नियम/25 के सहायक नियम 457 एवं 458 के बिंदु क्रमांक 24 के अनुसार आहरण एवं संवितरण अधिकारी (बीईओ) द्वारा एक माह की अवधि में सभी देयकों को सत्यापित किया जाना था . उक्त अधिकारियों की यह भी जवाबदारी थी कि वह एक माह में ट्रेजरी को बताएं कि सभी भुगतान सही बैंक खातों में किए गए हैं, जिनका उक्त 5 पांचों बीईओ द्वारा पालन नहीं किया गया . इस कारण राशि का गबन होता रहा है . साथ ही हर भुगतान में ओटीपी देने की जवाबदारी भी इन्हीं अधिकारियों की थी . जांच रिपोर्ट संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा द्वारा कलेक्टर को सौंप दी गई है . उक्त मामले में कारवाई के लिए कलेक्टर को मोबाइल पर कॉल किया था, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया .

भृत्य करता था बिल जनरेट

जांच रिपोर्ट में सिद्धार्थ जोशी, भृत्य खजराना हायर सेकेंडरी स्कूल ने रेणु जोशी और मोहक जोशी जो शासकीय कर्मचारी नहीं है, जैसे 7 खातों में वेंडर के नाम से भुगतान किया गया . यह भुगतान नियमित होता रहा है . जांच में बीईओ कार्यालय में पदस्थ कर्मचारियों दिनेश पवार गणक, अतुल त्रिवेदी कार्यालय सहायक, राहुल अहीरे कार्यालय सहायक के कथन लिए गए . बताया गया कि भृत्य सिद्धार्थ जोशी आईएफएमआईएस में सभी बिल जनरेट करता था, जबकि यह उसका काम नहीं था .

एआई तकनीक के साथ अपडेट रहना आवश्यक

- शारदोत्सव का समापन दिवस

इंदौर. शारदोत्सव के समापन दिवस आयोजन में परिचर्चा, सम्मान समारोह एवं सांगीतिक कार्यक्रम की उत्कृष्ट प्रस्तुति दी गई. 64 शारदोत्सव के अंतिम दिवस साहित्यिक परिचर्चा का आयोजन प्रखर वक्ता, डॉ .उदय निरगुडकर (ठाणे) की अध्यक्षता में जाल सभागृह में किया गया.

परिचर्चा का विषय था अक्षर संवाद: मानवी प्रतिभा आणि मशीनी बुद्धिमत्ता में वक्ता अजय बोकिल ने कहा कि पत्रकारिता क्षेत्र में भी ए.आई. का प्रयोग हो रहा है. इस तकनीक को समझकर रोजाना इसका अभ्यास करके इस तकनीक के साथ अपडेट रहना आवश्यक है. वक्ता एवं रंगकर्मी सागर शेंडे ने कहा कि एआई का उपयोग कर नाटक के मंचन में आसानी हुई है. रंगमंच पर लगने वाले सेट को और अधिक आकर्षक बनाया जाता है. साथ ही शोधकर्ता लेखक के लिए यह बहुत सहायक हैं. डॉ. नीरगुड़कर ने भारतवर्ष के अलावा इसके वैश्विक उपयोग एवं असर पर प्रकाश देकर कहा कि अपने देश में इसका प्रयोग तेजी से बढ़ रहा हैं अत: इसका रोजाना अध्ययन आवश्यक है. अपने आप को रोजाना इसके बारीकियों को समझना एवं अपडेट रहना आज के युग की आवश्यकता है. संचालन अंतरा करवड़े द्वारा किया गयाय तत्पश्चात डॉ .नीरगुडकर के समापन भाषण से यह सत्र समाप्त हुआ.

पुरस्कार किए वितरित

द्वितीय सत्र में पुरस्कार वितरण का आयोजन हुआ . 10 केन्द्रों पर आयोजित विभिन्न स्पर्धाओं के संयोजकों एवं केंद्र प्रमुख एवं केंद्र सहायकों का सम्मान अतिथिगण संभागायुक्त सुदाम खाड़े एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री गौरव रणदिवे द्वारा किया गया . तत्पश्चात ख्यातनाम संगीतकार श्री श्रीनिवास खळे के जन्मशताब्दी वर्ष निमित्य उनके रचनाओं पर आधारित संस्था स्वरश्री द्वारा निर्मित सुश्राव्य सांगीतिक आयोजन आनंद तरंग की प्रस्तुति में गायक स्वरदा गोडबोले, ऋषिकेश बडवे एवं धवल चांदवडकर सुश्राव्य गीतों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को अभिभूत कर दिया . विश्वस्त प्रदीप चौधरी एवं मिलिंद महाजन सचिव विनीता धर्म मंचासीन थे . स्वागत अनिल जोशी, सभा के अध्यक्ष अश्विन खरे, सचिव प्रफुल्ल कस्तूरे आदि ने किया . संचालन मानसी तरानेकर, मिलिंद देशपांडे ने किया . आभार विनीता धर्म ने माना।

तिरुपति बालाजी वेंकटेश देवस्थान का तीन दिवसीय वार्षिक उत्सव प्रारंभ

- विभिन्न सुगंधित द्रव्यों और पवित्र नदियों के जल से हुआ भगवान बालाजी का महाभिषेक

इंदौर. आज प्रात: गुमास्ता नगर स्थित तिरुपति बालाजी वेंकटेश देवस्थान में सैकड़ो की संख्या में उपस्थित भक्तजनों ने गोविंदा गोविंदा का जय घोष किया. विभिन्न सुगंधित द्रव्यों और और पवित्र नदियों के जल से भगवान बालाजी का महाअभिषेक झालरिया पीठाधीश्वर स्वामी श्री घनश्यामाचार्य जी महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ.

देवस्थान के पुरुषोत्तम पसारी व लक्ष्मण पटवा ने बताया कि बालाजी वेंकटेश देवस्थान का 29 वां वार्षिक उत्सव आज प्रात: धूमधाम से प्रारंभ हुआ. सुबह मंदिर के पुजारी एवं भक्तों ने मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया. सैकड़ों भक्तों की उपस्थिति में भगवान का महाअभिषेक किया गया. इस अवसर पर 108 कलशों में दूध दही केसर पंचामृत वह पवित्र नदी के जल से भगवान का अभिषेक संपन्न हुआ। बलराम बजाज एवं कृष्ण मूंदड़ा ने बताया कि बड़ी संख्या में स्त्री पुरुष इस अवसर पर मौजूद थे. सभी ने गोविंदा गोविंदा का जय घोष लगाया. रामस्वरूप मूंदड़ा ने बताया कि शाम भगवान की पालकी यात्रा मंदिर परिसर में निकली. भक्ता पालकी को कंधे पर धारण किए हुए थे. भजन मंडलियों ने कीर्तन आदि किया. तत्पश्चात भगवान को पुन: मंदिर में विराजित किया गया. रात्रि को महा आरती हुई एवं प्रसाद वितरण भी किया गया.

बोन मैरो ट्रांसप्लांट के लिए आईवीएफ और एम्ब्रियो सलेक्शन से कराया बच्ची का जन्म

इंदौर. नोवा आईवी एफ इंदौर के फर्टिलिटी एक्सपर्ट्स ने मेडिकल इतिहास में एक प्रेरक और दुर्लभ उपलब्धि हासिल की है. उन्होंने आई.वी.एफ और एम्ब्रियो सिलेक्शन द्वारा एक बच्ची का जन्म कराया, ताकि उसकी बहन को बोनमैरो ट्रांसप्लांट द्वारा थैलेसेमिया से बचाया जा सके.

कायरा को जन्म से ही थैलेसेमिया मेजर था. यह खून का एक जेनेटिक विकार होता है, जिसके लिए आजीवन बार-बार खून बदलने की जरूरत पड़ती है. लेकिन बोन मैरो ट्रांसप्लांट की मदद से थैलेसेमिया को ठीक किया जा सकता है. इसके लिए नोवा आईवीएफ फर्टिलिटी, इंदौर के विशेषज्ञों ने उसकी छोटी बहन युविका का जन्म कराया. सेवियर सिबलिंग वह स्वस्थ बच्चा होता है, जिसे आईवीएफ और जेनेटिक जांच की मदद से इस तरह जन्म दिया जाता है कि वह अपने बीमार भाई या बहन के इलाज में मदद कर सके. इन दोनों बच्चियों, कायरा और युविका के माता-पिता मनीष पटेल और स्नेहा पटेल हैं. कायरा की उम्र आठ साल है. क्लिनिकल डायरेक्टर एवं फर्टिलिटी विशेषज्ञ, डॉ. कल्याणी श्रीमाली ने कहा मनीष और स्नेहा पटेल हमारे पास कोविड महामारी के समय आए थे. हमें ऐसा एम्ब्रियो पहचानने में लगभग दो साल लगे, जिसे थैलेसेमिया मेजर नहीं था और जो उनकी बेटी के एच.एल.ए के साथ मैच था. इस केस से साबित होता है कि आईवीएफ से इन्फर्टिलिटी का ही इलाज नहीं मिलता, बल्कि इससे जेनेटिकबीमारियों को रोकने में भी मदद मिलती है, और बच्चों की जेनेटिक बीमारियों का इलाज भी मिल सकता है, जैसा कि इस मामले में हुआ. बिश्वनाथ गांगुली, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, नोवा आई.वी.एफ फर्टिलिटी ने कहा हम नोवा में सुरक्षित, पारदर्शी और एथिकल फर्टिलिटी केयर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं.

एक नजर में

भौतिकविदों के दो दिवसीय बौद्धिक समागम के अमृत उत्सव का समापन

अद्यतन ज्ञान पाने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएं शोधार्थी

इंदौर. शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय इंदौर के भौतिकी विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी इमर्जिंग अडवांसमेंट एंड इनोवेशन इन साइंसेस (आईसीईएआईएस2026) ऐंड रिसर्च स्कॉलर्स वर्कशॉप ऑन इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप के द्वितीय दिवस का आरंभ डॉ, निधि परमार द्वारा अमेरिका से सहभागिता कर रहे विषय विशेषज्ञ डॉ कमल आर ढकाल,सीनियर वैज्ञानिक-2, अब्वी के परिचय से हुआ. डॉ ढकाल ने रिस्टोरिंग विजन टू द ब्लाइंड यूजिंग ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स विषय पर अपना व्याख्यान दिया.

डॉ. ढकाल ने विजन साइंस, रिसलूशन आफ़ आई लेसर इण्ड्यूस डिसीज मॉडल पर विस्तार से रोचक जानकारी दी. साथ ही तीन समानांतर सत्रो में विभिन्न विषयों के शोधार्थियो ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए. इन सत्रों में डॉ विपुल कीर्ति शर्मा, डॉ. स्वागता गुप्ता और डॉ. नमिता सिसौदिया सेशन चेयरपर्सन रहे. सत्र के निर्णायक डॉ. रविन्द्र पाल, डॉ. बीएल पांडे, डॉ. संध्या दीक्षित, डॉ. अंगूरबाला बापना, डॉ. एनपी राजपूत और डॉ जितेंद्र भावसार रहे. पोस्टर प्रेजेंटेशन के निर्णायक डॉ. महेश ढोंडे, डॉ. मलयज दस और डॉ शुभांगी सोनी रहे. साथ ही स्टार्टअप, इनोवेशन और मॉडल प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ. कमल चौधरी, डॉ. उत्तम शर्मा और डॉ आश्विनी कुमार रहे. इस समागम में एमएससी भौतिकी के विद्यार्थियों का शोध सम्बंधित ओरल प्रजेंटेशन सभी के आकर्षण का केंद्र रहा. विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत की गई सांस्कृतिक प्रस्तुति एवं 130वर्षों की भौतिकी की यात्रा के सजीव चित्रण को भी बहुत सराहा गया. कार्यक्रम के समापन सत्र में डॉ आर सी दीक्षित, अतिरिक्त संचालन,उच्च शिक्षा विभाग मुख्य अतिथि रहे. उन्होंने कहा इस संगोष्ठी में प्रस्तुत किए गए पत्रों एवं नई शोध को अपने अध्ययन में शामिल करे. उन्होंने शोधार्थियों को अद्यतन ज्ञान पाने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण को अपनाने का सुझाव दिया.

विज्ञान क्षेत्र में सतत नवाचार करें

विभिन्न सत्रो में ओरल श्रेष्ठ प्रेजेंटर भाविका पांडे, संजय गुप्ता, आकाश गौतम, पूजा वर्मा, घाना बेडेकर और उज्जवल महाजन रहे . श्रेष्ठ पोस्टर मनीष टेकम, पूजा जैन, उत्संग कुमार और शालिनी मिश्रा के रहे . प्राचार्य डॉ अनामिका जैन ने सफल आयोजन पर विभाग को बधाई दी . भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ . नागेश डगांवकर ने आभार माना . डॉ . प्रदीप शर्मा विभागाध्यक्ष कंप्यूटर में दोनों दिन के कार्यक्रमों को सारगर्भित कर, उनके परिणामों को सदन के सामने प्रस्तुत किया . डॉ . शर्मा ने पूरे सदन को प्रोत्साहित कर विज्ञान क्षेत्र में सतत नवाचार करने की बात कही . सत्रों की सफलता पर डॉ . हेमराज सिंह डागर ने आभार माना .